... अधीन अफ्रीकी देशों को भयावह शोषण और उत्पीड़न ...
बेल्जियम के शासक लियोपोल्ड II ने 1876 ई. ब्रुसेल्स में [सम्मेलन का]
आयोजन किया और अंतर्राष्ट्रीय संस्था की स्थापना की
में यूरोपीय देशों के मध्य आपसी विवादों का शांतिपूर्ण [समाधान] किया
जाने।

- जर्मनी ने कांगो की समस्या तथा अन्य विवादों के निपटान के लिए [सम्मेलन बुलाने की] माँग की। यह नवंबर 1884 ई. से जनवरी 1885 ई. तक चला। इसमें [कांगो नदी की] घाटी में सभी यूरोपीय राज्यों को व्यापार और नौपरिवहन की स्वतंत्रता [दी गई] व इसके सुचारु ~~सम्मेलन~~ संचालन के लिए एक आयोग की स्थापना हुई।
- बर्लिन सम्मेलन में अफ्रीका के शैक्षणिक व भौतिक विकास को ध्येय बनाया गया था, लेकिन यूरोपीय राज्यों ने अफ्रीका को आपस में बाँट लिया। तनाव के कई अवसर पैदा हुए लेकिन कोई बड़ी टकराहट नहीं हुई।

विभिन्न यूरोपीय देशों के अफ्रीकी उपनिवेश

फ्रांस ⇒ अल्जीरिया, मोरक्को, ट्यूनिस, आइवरी कोस्ट आदि
इंग्लैंड ⇒ मिस्र, सूडान, दक्षिण अफ्रीका, रोडेशिया, केन्या, नाइजीरिया
जर्मनी ⇒ ~~कैमरून, टोगोलैंड~~, युगांडा, गोल्ड कोस्ट
कैमरून, टोगोलैंड
पुर्तगाल ⇒ अंगोला, पूर्वी मोजांबिक